



|| श्री गणेशाय नमः ||

## राशिफल

Sneha Verma

15/08/2004 05:45

Delhi

द्वारा उत्पन्न



पुजारी जी

# बुनियादी ज्योतिषीय विवरण

## बुनियादी विवरण

जन्म की तारीख	15/08/2004
जन्म का समय	05:45
जन्म स्थान	Delhi
अक्षांश	28.7040592
देशान्तर	77.1024902
समय क्षेत्र	5.5
अयनांश	23.925872268964
सूर्योदय	05:54:00
सूर्यास्त	20:03:00

## घटक चक्र

महीना	बुद्ध
तिथि	2 (द्वितीय), 7 (सप्तमी), 12 (द्वादशी)
विपरीत लिंग लग्न	मेष
नक्षत्र	अनुराधा
भगवान	बुध
समलिंगी लग्न	तुला
Tatva	पृथ्वी
रासी	सिंह

## पंचांग विवरण

तिथि	अमावस्या
योग	व्यतिपात
नक्षत्र	पुष्य
करण	चतुष्पदा

## ज्योतिषीय विवरण

वर्ण	ब्राह्मण
वास्या	जलचर
योनि	बकरी
तिथि	कृ.तृतीया
नक्षत्राधिपति	शनि
नक्षत्र	पुष्य
प्रबल	कैंसर
Tatva	जल
करण	चतुष्पदा
नक्षत्र स्वामी	चंद्रमा
दलदल	सोना
नाम वर्णमाला	हू
रासी	कैंसर
नाड़ी	पित्त

## ग्रहों की स्थिति

ग्रहों	आर	संकेत	डिग्री	साइन लॉर्ड	नक्षत्र	नक्षत्राधिपति	घर
लग्नेश		कैंसर	116.52054970495423	चंद्रमा	अश्लेषा(3)	बुध	1
सूर्य		कैंसर	118.5964301197804	चंद्रमा	अश्लेषा(4)	बुध	1
चंद्रमा		कैंसर	106.62490814592233	चंद्रमा	पुष्य(4)	शनि	1
मंगल		सिंह	128.991362033835	सूर्य	माघ(3)	केतु	2
बुध		सिंह	133.7221095027274	सूर्य	पूर्वाफाल्युनी(1)	शुक्र	2
बृहस्पति		सिंह	147.38129850797708	सूर्य	उत्तराफाल्युनी(1)	सूर्य	2
शुक्र		मिथुन	72.9047164304178	बुध	आर्द्र(2)	राहु	12
शनि		मिथुन	87.60994914011647	बुध	पुनरवसु(3)	बृहस्पति	12
राहु		मेष	11.78384747095658	मंगल	अश्विनी(4)	केतु	10
केतु		तुला	191.78384747095657	शुक्र	स्वाति(2)	राहु	4

 <b>सूर्य</b> कैंसर अश्लेषा(4) <b>तटस्थ</b>	 <b>चंद्रमा</b> कैंसर पुष्य(4) <b>लाभकारी</b>	 <b>मंगल</b> सिंह माघ(3) <b>योगकारक</b>
 <b>शनि</b> मिथुन पुनरवसु(3) <b>नुकसानदायक</b>	 <b>बृहस्पति</b> सिंह उत्तराफाल्युनी(1) <b>अत्यधिक लाभकारी</b>	 <b>शुक्र</b> मिथुन आर्द्र(2) <b>नुकसानदायक</b>
 <b>राहु</b> मेष अश्विनी(4) <b>अशुभ</b>	 <b>केतु</b> तुला स्वाति(2) <b>अशुभ</b>	

## राशिफल चार्ट

### लग्न कुंडली (जन्म कुंडली)

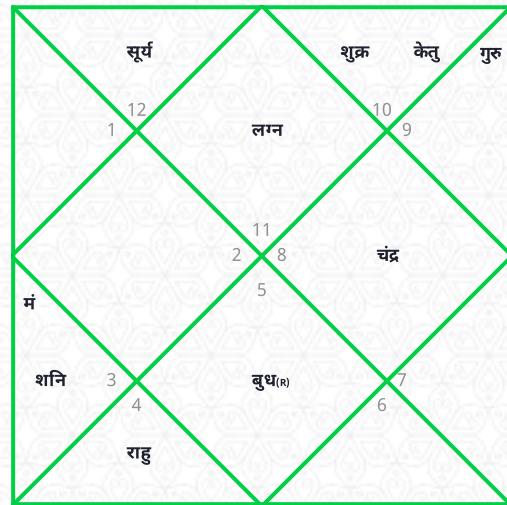


लग्न या लग्न, उस राशि की डिग्री है जो जन्म के समय पूर्वी क्षितिज पर उदित हो रही है। लग्न जन्म कुंडली में सबसे प्रभावशाली और महत्वपूर्ण राशि है। इस राशि को कुंडली का पहला घर माना जाएगा और अन्य घरों की गणना राशि चक्र की बाकी राशियों के अनुसार क्रम से की जाएगी। इस प्रकार, लग्न न केवल उदीयमान चिन्ह को चित्रित करता है, बल्कि चार्ट के अन्य सभी घरों को भी चित्रित करता है।



चंद्र कुंडली

चंद्र चार्ट भविष्यवाणी का एक महत्वपूर्ण उपकरण है और ग्रह संयोजनों के परिणाम तब अधिक प्रमुख होते हैं जब योग या कुछ संयोजन चंद्रमा और लग्न चार्ट दोनों में होते हैं।



नवमांश चार्ट(D9)

नवमांश चार्ट सबसे महत्वपूर्ण मंडल चार्ट है, नवमांश का अर्थ है एक विशेष राशि के नौ भाग जिसमें प्रत्येक अम्सा में 3 डिग्री और 20 मिनट होते हैं।

## समग्र मैत्री तालिका

### स्थायी मित्रता

ग्रहों	सूर्य	चंद्रमा	मंगल ग्रह	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि ग्रह
सूर्य	--	दोस्त	--	तटस्थ	दोस्त	दुश्मन	--
चंद्रमा	दोस्त	--	--	दोस्त	तटस्थ	तटस्थ	--
मंगल ग्रह	दोस्त	दोस्त	--	दुश्मन	दोस्त	तटस्थ	--
बुध	दोस्त	दुश्मन	--	--	तटस्थ	दोस्त	--
बृहस्पति	दोस्त	दोस्त	--	दुश्मन	--	दुश्मन	--
शुक्र	दुश्मन	दुश्मन	--	दोस्त	तटस्थ	--	--
शनि ग्रह	दुश्मन	दुश्मन	--	दोस्त	तटस्थ	दोस्त	--

### अस्थायी मित्रता

ग्रहों	सूर्य	चंद्रमा	मंगल ग्रह	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि ग्रह
सूर्य	--	दुश्मन	--	दोस्त	दोस्त	दोस्त	--
चंद्रमा	दुश्मन	--	--	दोस्त	दोस्त	दोस्त	--
मंगल ग्रह	दोस्त	दोस्त	--	दुश्मन	दुश्मन	दोस्त	--
बुध	दोस्त	दोस्त	--	--	दुश्मन	दोस्त	--
बृहस्पति	दोस्त	दोस्त	--	दुश्मन	--	दोस्त	--
शुक्र	दोस्त	दोस्त	--	दोस्त	दोस्त	--	--
शनि ग्रह	दोस्त	दोस्त	--	दोस्त	दोस्त	दुश्मन	--

## समग्र मैत्री तालिका

पांच प्रकार की मित्रता

ग्रहों	सूर्य	चंद्रमा	मंगल ग्रह	बुध	बृहस्पति	शुक्र	शनि ग्रह
सूर्य	--	तटस्थ	--	दोस्त	अंतरंग	तटस्थ	--
चंद्रमा	तटस्थ	--	--	अंतरंग	दोस्त	दोस्त	--
मंगल ग्रह	अंतरंग	अंतरंग	--	कट्टर दुश्मन	तटस्थ	दोस्त	--
बुध	अंतरंग	तटस्थ	--	--	दुश्मन	अंतरंग	--
बृहस्पति	अंतरंग	अंतरंग	--	कट्टर दुश्मन	--	तटस्थ	--
शुक्र	तटस्थ	तटस्थ	--	अंतरंग	दोस्त	--	--
शनि ग्रह	तटस्थ	तटस्थ	--	अंतरंग	दोस्त	तटस्थ	--

## विंशोत्तरी दशा - 1

शनि		बुध		केतु	
शनि सितंबर 17 1988		बुद्ध फरवरी 07 2007		बुद्ध फरवरी 02 2022	
शनि सितंबर 11 2004		सोम सितंबर 06 2021		मंगल सितंबर 05 2028	
शनि	सितंबर 17 1988	बुध	फरवरी 07 2007	केतु	फरवरी 02 2022
बुध	मई 27 1991	केतु	फरवरी 04 2008	शुक्र	अप्रैल 04 2023
केतु	जुलाई 05 1992	शुक्र	दिसंबर 04 2010	सूर्य	अगस्त 10 2023
शुक्र	सितंबर 04 1995	सूर्य	अक्टूबर 10 2011	चंद्रमा	मार्च 10 2024
सूर्य	अगस्त 16 1996	चंद्रमा	मार्च 10 2013	मंगल	अगस्त 06 2024
चंद्रमा	मार्च 17 1998	मंगल	मार्च 07 2014	राहु	अगस्त 24 2025
मंगल	अप्रैल 26 1999	राहु	सितंबर 23 2016	बृहस्पति	जुलाई 31 2026
राहु	मार्च 01 2002	बृहस्पति	दिसंबर 29 2018	शनि	सितंबर 09 2027
बृहस्पति	सितंबर 11 2004	शनि	सितंबर 06 2021	बुध	सितंबर 05 2028

शुक्र		सूर्य		चंद्रमा	
सोम जनवरी 05 2032		शनि दिसंबर 19 2048		शुक्र जुलाई 02 2055	
सोम अगस्त 31 2048		मंगल सितंबर 01 2054		शनि अगस्त 30 2064	
शुक्र	जनवरी 05 2032	सूर्य	दिसंबर 19 2048	चंद्रमा	जुलाई 02 2055
सूर्य	जनवरी 04 2033	चंद्रमा	जून 20 2049	मंगल	जनवरी 31 2056
चंद्रमा	सितंबर 04 2034	मंगल	अक्टूबर 26 2049	राहु	अगस्त 01 2057
मंगल	नवंबर 04 2035	राहु	सितंबर 20 2050	बृहस्पति	दिसंबर 01 2058
राहु	नवंबर 03 2038	बृहस्पति	जुलाई 09 2051	शनि	जुलाई 01 2060
बृहस्पति	जुलाई 03 2041	शनि	जून 20 2052	बुध	नवंबर 30 2061
शनि	सितंबर 01 2044	बुध	अप्रैल 26 2053	केतु	जुलाई 01 2062
बुध	जुलाई 02 2047	केतु	सितंबर 01 2053	शुक्र	फरवरी 29 2064
केतु	अगस्त 31 2048	शुक्र	सितंबर 01 2054	सूर्य	अगस्त 30 2064

## विंशोत्तरी दशा - 2

मंगल		राहु		बृहस्पति	
सोम	जनवरी 26 2065	शनि	मई 12 2074	रवि	अक्टूबर 14 2091
रवि	अगस्त 30 2071	शुक्र	अगस्त 26 2089	सोम	अगस्त 24 2105
मंगल	जनवरी 26 2065	राहु	मई 12 2074	बृहस्पति	अक्टूबर 14 2091
राहु	फरवरी 13 2066	बृहस्पति	अक्टूबर 04 2076	शनि	अप्रैल 26 2094
बृहस्पति	जनवरी 20 2067	शनि	अगस्त 10 2079	बुध	जुलाई 31 2096
शनि	फरवरी 29 2068	बुध	फरवरी 26 2082	केतु	जुलाई 07 2097
बुध	फरवरी 25 2069	केतु	मार्च 16 2083	शुक्र	मार्च 07 2100
केतु	जुलाई 24 2069	शुक्र	मार्च 15 2086	सूर्य	दिसंबर 24 2100
शुक्र	सितंबर 23 2070	सूर्य	फरवरी 07 2087	चंद्रमा	अप्रैल 25 2102
सूर्य	जनवरी 29 2071	चंद्रमा	अगस्त 08 2088	मंगल	अप्रैल 01 2103
चंद्रमा	अगस्त 30 2071	मंगल	अगस्त 26 2089	राहु	अगस्त 24 2105

### वर्तमान चल रही दशा

दशा नाम	ग्रहों	आरंभ करने की तिथि	अंतिम तिथि
महादशा	केतु	बुद्ध सितंबर 15 2021 रात 12:00 बजे	शुक्र सितंबर 15 2028 रात 12:00 बजे
अंतर्दशा	मंगल	मंगल मार्च 19 2024 सुबह 6:12 बजे	गुरु अगस्त 15 2024 सुबह 10:00 बजे
पर्यातर्दशा	शुक्र	सोम जुलाई 01 2024 दोपहर 4:03 बजे	शुक्र जुलाई 26 2024 दोपहर 12:41 बजे
शुक्रशमदाशा	बृहस्पति	रवि जुलाई 14 2024 सुबह 7:20 बजे	बुद्ध जुलाई 17 2024 दोपहर 2:53 बजे
प्रणादशा	राहु	बुद्ध जुलाई 17 2024 रात 2:58 बजे	बुद्ध जुलाई 17 2024 दोपहर 2:53 बजे

\* नोट: सभी तिथियां दशा की समाप्ति तिथि दर्शाती हैं।

## लग्न रिपोर्ट



### लग्न रिपोर्ट : कैंसर

विशेषताएँ	जंगम, जलमय, उच्चर
भाग्यशाली रत्न	मोती
भगवान	चंद्रमा
प्रतीक	केकड़ा
उपवास का दिन	सोमवार

| ॐ क्षीरपुत्राय विद्महे अमृत तत्वाय धीमहि तत्त्वे चन्द्रः प्रचोदयात् ॥

एक कर्क राशि के जातक के रूप में, आपने सोचा कि प्रक्रिया बदलती रहती है - जैसा कि लग्न स्वामी चंद्रमा हमेशा बदलता रहता है। कभी-कभी जब आपकी पूर्णिमा होती है - तो आपका चेहरा बड़ी आंखों और काले चमकदार बालों वाला हो सकता है। आपको नवीनतम कपड़े पहनने का शौक है। फैशन और ज्यादातर वे बहुत अच्छे दिखते हैं यदि चंद्रमा अच्छी तरह से स्थित है। यदि चंद्रमा अच्छी तरह से स्थित है और अच्छे पहलू हैं तो आपको एक सुंदर व्यक्ति के रूप में देखा जाता है। यदि चंद्रमा या घर का स्वामी अच्छी स्थिति में नहीं है तो आप लगातार तनाव में रहेंगे। आप मिठाई खाना पसंद करते हैं और अपने आहार के बारे में बहुत मुखर हैं। आप आमतौर पर देखभाल करने वाले और भावुक होते हैं।

आपका दयालु हृदय और सहज स्वभाव गहरे भावनात्मक संबंध बनाने में आपका मार्गदर्शन करते हैं। आप सुरक्षा और बंधनों का पोषण करते हैं।

जबसे भगवन लग्नेश 1 गृह मे है। किसी भी स्थिति में शांत और संयमित रहना ही आपकी ताकत है, इतने सारे लोग आपके पास सिर्फ आपकी परवाह करने वाले शब्दों को सुनने के लिए आते हैं। लेकिन यह कोमलता आपको भावनाओं के प्रति संवेदनशील बना सकती है। आप इसके लिए अपनी भावनाओं की रक्षा करेंगे। बहुत कारण।

# लग्न रिपोर्ट

## आध्यात्मिक सलाह

अपनी आध्यात्मिक यात्रा में, ध्यान और आत्म-चिंतन के माध्यम से अपनी भावनाओं की गहराई का पता लगाएं। अपने अंतर्ज्ञान पर भरोसा रखें।

### सकारात्मक लक्षण

दयालु

सहज

सुरक्षात्मक

देखभाल करने वाला

### नकारात्मक लक्षण

मूड़ी

अतिभावुक

चिपकू

अतिसुरक्षात्मक



धन्यवाद



पुजारी जी

किसी भी प्रश्न के लिए कृपया संपर्क करें